Modern theory of Rent (लगान का आधुनिक सिद्धान्त) :-

रिकार्डो ने सर्वप्रथम लगान का तर्कपूर्ण विश्लेषण किया। आधुनिक अर्थशास्त्री रिकार्डो के सिद्धान्त से असहमत दिखते आते है। आधुनिक अर्थशास्त्री के अनुसार - भूमि में ऐसा गुण नहीं है जो किसी न किसी रूप में अन्य साधनों में न हो। उनका मत है कि भूमि एक साधन नहीं, बल्कि एक गुण है - विशिष्टता (specificity)। यह गुण भूमि के अतिरिक्त अन्य साधनों पर भी लागू होता है। यही कारण है कि लगान अन्य साधनों पर भी प्राप्त होता है।

आधुनिक अर्थशास्त्रियों का विचार है कि लगान का एकमात्र कारण साधन की पूर्ति का बेलोचदार होना है। भूमि की बेलोचता के कारण ही भूमि को लगान प्राप्त होता है, भूमि के यदि सभी टुकड़े एक ही उर्वरता के हो जाए तो भी उनको लगान प्राप्त हो सकता है, यदि उनसे प्राप्त उपज की पूर्ति मांग की तुलना से कम है। स्वल्पता का यह गुण भूमि के अतिरिक्त उत्पादन के अन्य साधनों में भी होता है जिसके कारण उनको भी लगान मिलने लगता है।

उदाहरण -

जहाज की मांग बढ़ जाय तो उनकी पूर्ति एकदम नहीं बढ़ सकती, बल्कि इसमें समय लगता है। जब तक पूर्ति नहीं बढ़ती तब तक जहाजों को अतिरिक्त आय प्राप्त होगी जिसको हम लगान कह सकते है। पूँजी के समय, अल्पकाल में, श्रम तथा साहसी भी लगान प्राप्त कर सकते हैं। अतः आधुनिक अर्थशास्त्रियों के अनुसार लगान केवल भूमि को ही नहीं बल्कि उत्पादन के सभी साधनों को प्राप्त होता हैं।

भूमि तथा अन्य साधनों को प्राप्त होने वाले लगान में एक अन्तर है। भूमि पर लगान अल्पकाल के साथ - साथ दीर्घकाल में भी प्राप्त होता है, क्योंकि भूमि दीर्घकाल में भी विशिष्ट होता है। अन्य साधन अल्पकाल में ही विशिष्ट होते है, अतः उनको अल्पकाल में ही लगान मिलता है, दीर्घकाल में नहीं।

लगान की माप (Measurement of Rent) :-

आधुनिक अर्थशास्त्रियों ने हस्तान्तरण आय (Transfer Earning) की सहायता से लगान मापने का प्रयत्न किया है। इनके अनुसार एक साधन को प्राप्त होने वाली वास्तविक आय (Actual Earning) तथा हस्तान्तरण आय का अन्तर ही लगान है।

" श्रीमति जोन रोबिन्सन के अनुसार -

हस्तान्तरण आय, आय का मूल्य वह है जो उत्पादन के किसी साधन की किसी इकाई को उस उद्योग में लगाए रखने के लिए आवश्यक होती है।" हस्तान्तरण आय तथा वास्तविक आय का अन्तर लगान है।

"सामान्यतः एक साधन अपनी हस्तान्तरण आय से अधिक जो कुछ भी प्राप्त करता है, वह प्रकृति में लगान ही होता है।"

— बैन्हम

Transfer Earning and Elasticity of Supply (हस्तान्तरण आय तथा पूर्ति की लोच) :-

लगान का आधुनिक सिद्धान्त लगान को हस्तान्तरण आय से मापता है।

(1) यदि पूर्ति पूर्णतया लोचदार हो तो साधन की सम्पूर्ण आय हस्तान्तरण आय होगी, क्योंकि साधन की आय में जरा सी भी कमी होने पर वह उस उद्योग को छोड़कर अन्य उद्योग में चला जाएगा और उस

उद्योग में साधन की पूर्ति शून्य रह जायेगी।

चित्र में SS पूर्णतया लोचदार पूर्ति वक्र है जो मांग वक्र को E बिन्दु पर काटती है। साधन का मूल्य OS निर्धारित होता है तथा साधन की कुल आय OQES है। OS से कम मूल्य देने पर साधन की एक भी इकाई उपलब्ध नहीं होगी। यहाँ हस्तान्तरण आय वास्तविक आय के बराबर होने के कारण साधन को बिल्कुल भी लगान प्राप्त नहीं होगा।

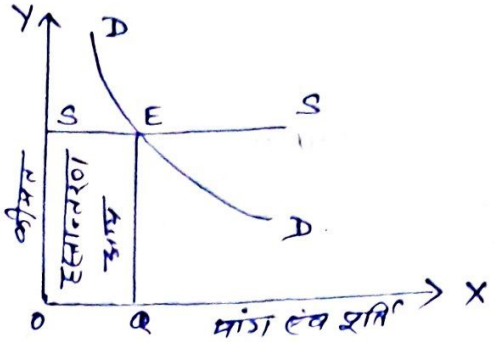

② यदि साधन की पूर्ति पूर्णतया बेलोचदार हो तो साधन की सम्पूर्ण आय लगान होगी क्योंकि उसकी ~~हस्तान्तरण~~ हस्तान्तरण आय शून्य है। चित्र में पूर्ति वक्र SQ तथा मांग-वक्र DD है। मांग व पूर्ति-वक्र E बिन्दु पर एक दूसरे को काटते हैं। अतः OP साधन का मूल्य तय हो जाता है। यहाँ वास्तविक आय आयत OQEP के समान है तथा हस्तान्तरण आय शून्य है। इसलिए सारी वास्तविक आय (आयत OQEP) लगान है।

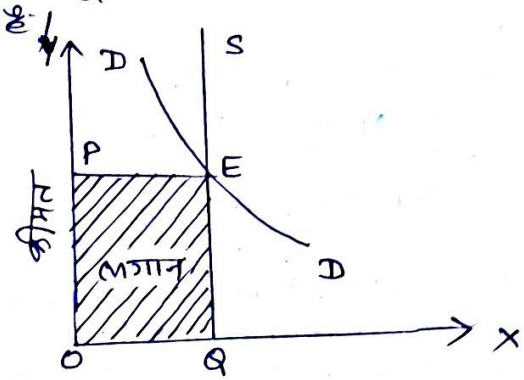

③ साधन की पूर्ति कम लोचदार होने पर उसकी आय का कुछ भाग लगान होगा। चित्र में SS पूर्ति रेखा है तथा DD मांग रेखा। दोनों एक दूसरे को E बिन्दु पर काटते हैं जिससे उत्पादक OQ इकाइयों का उपयोग करता है जिनको वह OQEP आय देता है। परन्तु OQ से कम इकाई OP से कम मूल्य पर काम करने के लिए तैयार है। अतः पूर्ति रेखा तथा QE रेखा के बीच की दूरी लगान है। साधन की कुल आय OQEP है तथा हस्तान्तरण आय OQES है, अतः लगान SEP है।

~~इसका लगान का~~

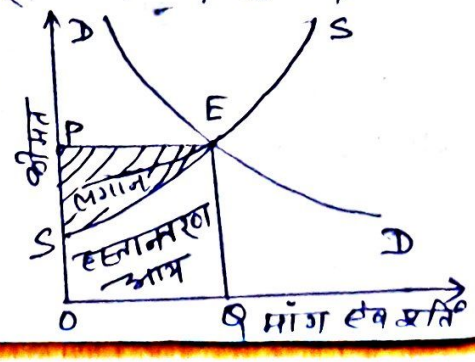

इस प्रकार लगान का आधुनिक सिद्धान्त रिकार्डो के सिद्धान्त से अधिक अच्छा है, क्योंकि यह लगान की धारणा का वैज्ञानिक ढंग से अध्ययन करता है।

रिकार्डो का सिद्धान्त तो केवल यह बताता है कि घटिया वस्तु की तुलना में अच्छी वस्तु का मूल्य ऊँचा होता है। परन्तु आधुनिक सिद्धान्त बताता है कि लगान वस्तु के अच्छा होने के कारण नहीं मिलता बल्कि विशिष्टता तथा स्वल्पता के गुणों के कारण मिलता हैं।

रिकार्डो और आधुनिक लगान सिद्धान्तों में अन्तर (Difference between Ricardian and Modern theories of Rent) :-

रिकार्डो के लगान सिद्धान्त और आधुनिक लगान सिद्धान्त में प्रमुख अन्तर निम्नलिखित हैं:-

i) रिकार्डो के अनुसार लगान केवल भूमि के स्वामी को मिलता है, परन्तु आधुनिक लगान सिद्धान्त के अनुसार लगान उत्पादन के प्रत्येक साधन को प्राप्त हो सकता हैं।

ii) रिकार्डो के अनुसार लगान भूमि की उपज में अन्तर के कारण उत्पन्न होता है परन्तु आधुनिक लगान सिद्धान्त के अनुसार लगान साधन की स्वल्पता के कारण उत्पन्न होता हैं।

iii) रिकार्डो के अनुसार लगान सीमान्त भूमि की उपज तथा अन्तर सीमान्त भूमि (Intra-marginal Land) की उपज के अन्तर समान है जबकि आधुनिक लगान सिद्धान्त के अनुसार लगान वास्तविक आय और हस्तान्तरण आय के अन्तर के समान हैं।